RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
मई
23
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

WHO महामारी समझौता / WHO pandemic agreement

संदर्भ:

जिनेवा में आयोजित 78वीं विश्व स्वास्थ्य महासभा (World Health Assembly) के दौरान, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने एक नया महामारी समझौता (Pandemic Agreement) अपनाया। इस समझौते का उद्देश्य भविष्य में आने वाली महामारियों के प्रति वैश्विक प्रतिक्रिया को अधिक न्यायसंगत और प्रभावशाली बनाना है।

WHO महामारी समझौता: वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा की नई दिशा-

- **स्वीकृति:** यह समझौता **78वीं विश्व स्वास्थ्य सभा** (जिनेवा) में **सर्वसम्मति से पारित** हुआ। इसे COVID-19 महामारी के बाद 3 वर्षों की बातचीत के बाद अंतिम रूप दिया गया।
- **कानूनी आधार:** इसे **WHO संविधान के अनुच्छेद 19** के तहत अपनाया गया है। यह WHO का केवल दूसरा कानूनी रूप से बाध्यकारी समझौता है – पहला था 2003 का तंबाकू नियंत्रण ढांचा समझौता (FCTC)।
- **मुख्य उद्देश्य:** भविष्य की महामारियों के दौरान टीकों, दवाओं और जांच साधनों तक न्यायसंगत व समय पर पहुंच सुनिश्चित करना।
- **स्टेकहोल्डर सहयोग:** यह समझौता **देशों**, WHO, दवा कंपनियों, नागरिक समाज और अन्य हितधारकों के बीच सहयोग को बढ़ावा देता है।
- **प्रभावी होने की शर्त:** यह समझौता कम से कम 60 देशों द्वारा अनुमोदन (ratification) के बाद प्रभाव में आएगा। इसका अंतिम अनुबंध परिशिष्ट मई 2026 तक अपेक्षित है।
- **चुनौती:** अमेरिका ने अभी तक इस समझौते में भाग नहीं लिया है, जिससे इसकी वैश्विक प्रभावशीलता पर सवाल उठे हैं।

WHO महामारी समझौते की प्रमुख प्रावधान:

- **PABS प्रणाली की स्थापना:** एक **"पैथोजन एक्सेस एंड बेनिफिट शेयरिंग" (PABS)** प्रणाली बनाई जाएगी, जिसका विवरण अगले वर्ष की विश्व स्वास्थ्य सभा में प्रस्तुत किया जाएगा। इसका उद्देश्य महामारी से संबंधित सूक्ष्मजीवों तक पहुंच और उनसे होने वाले लाभों का न्यायसंगत वितरण सुनिश्चित करना है।
- **वित्तीय और आपूर्ति ढांचे की स्थापना:** एक **"कोऑर्डिनेटिंग फाइनेंशियल मैकेनिज़्म"** स्थापित किया जाएगा ताकि महामारी से जुड़ी स्वास्थ्य सेवाओं के लिए संसाधन जुटाए जा सकें।

  एक **"ग्लोबल सप्लाई चेन एंड लॉजिस्टिक्स नेटवर्क (GSCL)"** भी बनाया जाएगा जिससे जीवनरक्षक उत्पादों की समान और समय पर आपूर्ति सुनिश्चित हो सके।
- **दवा कंपनियों की भागीदारी:** जो फार्मास्यूटिकल कंपनियाँ PABS प्रणाली में शामिल होंगी, उन्हें अपनी वास्तविक समय में उत्पादित वैक्सीन, चिकित्सकीय उत्पाद और डायग्नोस्टिक उपकरणों का 20% WHO को देना होगा।
- इसका उद्देश्य विकासशील देशों को प्राथमिकता देते हुए न्यायपूर्ण वितरण सुनिश्चित करना है।

महामारी संधि (Pandemic Treaty) का महत्त्व —

1. **वैश्विक एकजुटता को बढ़ावा:** यह बहुपक्षीय स्वास्थ्य प्रणाली में विश्वास को मजबूत करता है, जिससे महामारी के समय समन्वित कार्यवाही संभव हो पाती है।
2. **महामारी के प्रति तत्परता में वृद्धि:** यह एक बाध्यकारी वैश्विक ढांचा तैयार करता है, जो समय से पहले पहचान, समान वितरण और त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करता है।
3. **विकासशील देशों की सुरक्षा:** यह नवाचार (innovation) और उपचार (treatment) तक समान पहुंच सुनिश्चित करता है, जिससे उत्तर-दक्षिण (North-South) के बीच की खाई को पाटा जा सकता है।
4. **संप्रभुता की रक्षा:** विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) किसी देश के कानूनों को नहीं बदल सकता; इससे राज्य की संप्रभुता बनी रहती है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय सहयोग भी सुनिश्चित होता है।
5. **आर्थिक सुरक्षा:** यह तैयारियों को संस्थागत रूप देकर वैश्विक स्वास्थ्य और आर्थिक व्यवधानों को कम करने में मदद करता है।

निष्कर्ष:

महामारी संधि वैश्विक स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रोस्टेट कैंसर / Prostate cancer

संदर्भ:

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति **जो बाइडेन** को एक गंभीर और आक्रामक **प्रोस्टेट कैंसर** (Prostate Cancer) से पीड़ित पाया गया है। यह बीमारी अब उनकी **हड्डियों तक फैल चुकी है**, जिससे उनकी स्वास्थ्य स्थिति को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की जा रही है। यह कैंसर शरीर में तेजी से फैलने वाला माना जाता है और इसके लिए त्वरित तथा उन्नत उपचार की आवश्यकता होती है।

प्रोस्टेट कैंसर: एक संक्षिप्त जानकारी:

क्या है प्रोस्टेट कैंसर ? प्रोस्टेट कैंसर एक प्रकार का कैंसर है, जो पुरुषों की प्रजनन प्रणाली में स्थित एक छोटी ग्रंथि – *प्रोस्टेट ग्रंथि* – में होता है। इसमें कोशिकाएं अनियंत्रित रूप से बढ़ने लगती हैं, जिससे कैंसर विकसित होता है।

मुख्य लक्षण:

- बार-बार पेशाब लगना या पेशाब करने में कठिनाई
- वीर्य या मूत्र में खून आना
- स्खलन के समय दर्द
- निचली पीठ, कूल्हों या पेल्विक क्षेत्र में दर्द या असहजता

जोखिम कारक (Risk Factors):

- **उम्र:** 50 वर्ष से अधिक आयु के पुरुषों में यह अधिक पाया जाता है। सर्वाधिक मामले 70-74 वर्ष की उम्र में देखे जाते हैं।
- **पारिवारिक इतिहास:** यदि परिवार में किसी को प्रोस्टेट कैंसर रहा है तो जोखिम बढ़ जाता है।
- **अन्य उच्च जोखिम कारक:**
  - अस्वास्थ्यकर जीवनशैली
  - मोटापा
  - अत्यधिक वसा युक्त भोजन

प्रोस्टेट कैंसर: जांच, उपचार व प्रसार:

1. स्क्रीनिंग व शुरुआती पहचान:

- प्रारंभिक अवस्था में प्रोस्टेट कैंसर के कोई स्पष्ट लक्षण नहीं होते, इसलिए **नियमित जांच (Screening)** अत्यंत आवश्यक है, विशेषकर उच्च जोखिम वाले पुरुषों (जैसे 45-50 वर्ष या उससे अधिक उम्र वाले) के लिए।
- अगर समय पर पहचान हो जाए, तो यह **पूरी तरह से ठीक** किया जा सकता है।

2. उपचार विकल्प (Treatment Options):

- **सर्जरी** या **रेडिएशन थेरेपी (Radiation Therapy):** शुरुआती अवस्था के कैंसर में अत्यधिक प्रभावी।
- **हार्मोन थेरेपी:** टेस्टोस्टेरोन (जो कैंसर की वृद्धि को बढ़ावा देता है) के स्तर को कम करती है।
- **इम्यूनोथेरेपी:** सीमित देशों में अनुमोदित, शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को कैंसर से लड़ने में मदद करती है।
- **रेडियोलिगैंड थेरेपी:** कैंसर कोशिकाओं को लक्षित कर उन्हें नष्ट करती है।
- उन्नत अवस्था में, उपचार कैंसर की वृद्धि को धीमा कर जीवनकाल बढ़ा सकता है।

3. प्रमुख जांच विधियाँ:

- **PSA (Prostate-Specific Antigen) टेस्ट:**
  - रक्त में PSA का स्तर मापा जाता है।
  - उच्च स्तर प्रोस्टेट कैंसर का संकेत हो सकता है।
- **डिजिटल रेक्टल एग्जाम (DRE):** डॉक्टर मलाशय के माध्यम से प्रोस्टेट ग्रंथि में गांठ या असमानता जांचते हैं।
- **मल्टीपैरामेट्रिक MRI:** उन्नत इमेजिंग तकनीक जो महत्वपूर्ण ट्यूमर की पहचान में मदद करती है।
- **MRI-लक्षित बायोप्सी:** पारंपरिक बायोप्सी की तुलना में अधिक सटीक।
- **जीनोमिक परीक्षण (Genomic Testing):**
  - जीन में उत्पन्न परिवर्तनों की पहचान करता है, जो कैंसर की गंभीरता समझने और व्यक्तिगत उपचार योजना बनाने में सहायक होता है।

4. प्रोस्टेट कैंसर का प्रसार (Prevalence):

- **विश्व स्तर पर (Global):**
  - प्रति वर्ष लगभग **1.4 मिलियन (14 लाख)** नए मामले (2014 के आंकड़े)।
  - पुरुषों में दूसरा सबसे आम कैंसर।
  - लगभग **3.75 लाख मौतें** प्रति वर्ष।
- **भारत में (India):**
  - देश में कुल कैंसर मामलों का लगभग **3%** प्रोस्टेट कैंसर है।
  - **स्क्रीनिंग की कमी** एक प्रमुख चिंता का विषय है।
  - वर्ष **2040 तक** नए मामलों की संख्या बढ़कर लगभग **71,000 प्रति वर्ष** हो सकती है (वर्तमान संख्या का दोगुना)।

RBI द्वारा सरकार को अधिशेष स्थानांतरण / Surplus transfer by RBI to the Government

संदर्भ:

भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) के केंद्रीय निदेशक मंडल ने **आर्थिक पूंजी ढांचे (Economic Capital Framework - ECF)** की समीक्षा की। इस ढांचे के अंतर्गत केंद्रीय बैंक द्वारा **जोखिम प्रावधान (risk provisioning)** और सरकार को दिए जाने वाले **लाभांश (surplus/dividend)** के वितरण का निर्धारण किया जाता है। ECF का उद्देश्य केंद्रीय बैंक की वित्तीय स्थिरता बनाए रखते हुए, सरकार के साथ उचित लाभ साझा करना है।

क्या है ECF ? Economic Capital Framework (ECF) एक संरचित व्यवस्था है जिसे भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने अपनाया है। इसका उद्देश्य यह तय करना है कि:

- RBI को कितने **जोखिम प्रावधान (risk provisions)** रखने चाहिए
- सरकार को RBI का **कितना अधिशेष (surplus/profit)** हस्तांतरित किया जा सकता है (RBI अधिनियम, 1934 की धारा 47 के अंतर्गत)

पृष्ठभूमि:

- इस फ्रेमवर्क की सिफारिश **बिमल जलान समिति (2018)** ने की थी
- इसे **वर्ष 2019 में औपचारिक रूप से लागू** किया गया

उद्देश्य:

- मौद्रिक और वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने हेतु पर्याप्त वित्तीय सुरक्षा (buffers) बनाए रखना
- साथ ही सरकार को अधिशेष राशि का **संतुलित और विवेकपूर्ण हस्तांतरण** सुनिश्चित करना

प्रमुख विशेषताएँ:

- यह RBI को **Contingency Risk Buffer (CRB)** बनाए रखने की अनुमति देता है, जो अप्रत्याशित झटकों (जैसे मुद्रा अस्थिरता, आर्थिक संकट) से सुरक्षा प्रदान करता है
- **CRB की सीमा:** RBI की बैलेंस शीट का **5.5% से 6.5%**
- यह RBI को संकट की स्थिति में "**Lender of Last Resort**" के रूप में कार्य करने की क्षमता प्रदान करता है

RBI द्वारा सरकार को अधिशेष (Surplus) स्थानांतरण:

अधिशेष स्थानांतरण की प्रक्रिया:

- भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) हर वर्ष Economic Capital Framework (ECF) के तहत केंद्र सरकार को लाभांश (dividend) के रूप में अधिशेष राशि स्थानांतरित करता है।
- **प्रक्रिया निम्नानुसार होती है:**
    1. RBI की कुल आय से पहले Contingency Risk Buffer (CRB) और ऑपरेशनल व्यय (जैसे वेतन, प्रचालन लागत आदि) घटाए जाते हैं।
    2. शेष राशि को "अधिशेष" माना जाता है, जिसे केंद्र सरकार को स्थानांतरित किया जाता है।

केंद्र सरकार के लिए महत्व:

- यह अधिशेष स्थानांतरण **राजस्व प्राप्तियों का गैर-कर (Non-Tax Revenue)** स्रोत है।
- इससे सरकार के **वित्तीय घाटे (fiscal deficit)** को कम करने में सहायता मिलती है।

बिमल जलान समिति की सिफारिशें (2019):

- ECF की **हर 5 वर्षों में समीक्षा** की जानी चाहिए।
- **Contingency Risk Buffer (CRB)** की सीमा RBI की बैलेंस शीट के **5.5% से 6.5%** तक होनी चाहिए।
- यदि RBI अधिक जोखिम बफर रखता है, तो सरकार को कम अधिशेष मिलेगा, और यदि बफर कम रखा जाए, तो अधिशेष अधिक होगा।

हालिया आंकड़े:

- **FY 2023-24:** RBI ने अब तक का **सर्वाधिक अधिशेष ₹2.11 लाख करोड़** स्थानांतरित किया।
- **FY 2024-25 (अनुमान): ₹2.5 लाख करोड़ से ₹3 लाख करोड़** तक अधिशेष स्थानांतरित किया जा सकता है।

FY25 में अधिशेष वृद्धि के कारण:

- **डॉलर की बिक्री** के माध्यम से रुपये की अस्थिरता को नियंत्रित कर लाभ कमाना
- **सोने की कीमतों में तेज़ वृद्धि**
- RBI द्वारा धारण किए गए **सरकारी प्रतिभूतियों (government securities)** के मूल्य में वृद्धि

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा सरकार को अधिशेष (Surplus) हस्तांतरण का महत्व:

1. राजकोषीय घाटा कम करता है
2. राजस्व प्राप्ति बढ़ाता है
3. सरकारी उधारी घटाता है
4. उधारी लागत को कम करता है
5. ब्याज दरों को नियंत्रित रखता है

मिज़ोरम ने पूर्ण साक्षरता हासिल की / Mizoram achieves total literacy

संदर्भ:

मिज़ोरम को **भारत का पहला पूर्ण साक्षर राज्य** घोषित किया गया है, जो राज्य की **शिक्षा यात्रा का एक ऐतिहासिक मील का पत्थर** है। यह उपलब्धि शिक्षा के क्षेत्र में मिज़ोरम की सतत प्रतिबद्धता और प्रयासों का प्रतीक है।

साक्षरता (Literacy): परिभाषा और महत्व-

परिभाषा (परंपरागत): भारत के महानिबंधक कार्यालय (Office of the Registrar General of India) के अनुसार,

- साक्षर व्यक्ति वह है जिसकी आयु 7 वर्ष या उससे अधिक हो और जो किसी भी भाषा में समझ के साथ पढ़ और लिख सकता हो।

नई परिभाषा (NEP 2020 और SDG 4.6 के अनुसार):

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग (Department of School Education and Literacy) ने साक्षरता की परिभाषा को अधिक समग्र बनाया है। अब साक्षरता में शामिल हैं:

- पढ़ना, लिखना और गणना करना (computation)
- समझ के साथ ये कार्य करना
- महत्वपूर्ण जीवन कौशल जैसे:
  - डिजिटल साक्षरता
  - वित्तीय साक्षरता

पूर्ण साक्षरता का मानदंड:

- यदि कोई राज्य/केंद्रशासित प्रदेश 95% या उससे अधिक साक्षरता दर प्राप्त कर लेता है, तो उसे पूर्ण साक्षर (Fully Literate) माना जाता है।

उद्देश्य:

- नई शिक्षा नीति (NEP 2020) और सतत विकास लक्ष्य 4.6 (SDG 4.6) के अंतर्गत सभी नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक कौशल से युक्त बनाना।

भारत में साक्षरता स्थिति (PLFS 2023–24 के अनुसार): मिज़ोरम ने पूर्ण साक्षरता हासिल की:

मिज़ोरम: पूर्ण साक्षरता प्राप्त राज्य

- **साक्षरता दर:** 98.2%
- **मान्यता:** मिज़ोरम ने शिक्षा मंत्रालय द्वारा निर्धारित 95% की सीमा को पार कर "पूर्ण साक्षर" (Fully Literate) राज्य का दर्जा प्राप्त किया है।
- **स्रोत**: PLFS सर्वेक्षण 2023-24 (MoSPI)

Top 10 states/UTs in India with the highest literacy rates in 2024

S.No.	State/UT	Total Literacy Rate
1	Mizoram	98.2%
2	Lakshadweep	97.3%
3	Nagaland	95.7%
4	Kerala	95.3%
5	Meghalaya	94.2%
6	Tripura	93.7%
6	Chandigarh	93.7%
8	Goa	93.6%
9	Puducherry	92.7%
10	Manipur	92%

ULLAS योजना: समावेशी आजीवन शिक्षा की दिशा में भारत का कदम:

योजना का नाम: ULLAS (Understanding Lifelong Learning for All in Society)

प्रकार: केंद्रीय प्रायोजित योजना

अवधि: वित्त वर्ष 2022–2027

मंत्रालय: शिक्षा मंत्रालय

कुल बजट: ₹1037.90 करोड़

- केंद्र सरकार: ₹700 करोड़
- राज्य सरकारें: ₹337.90 करोड़

उद्देश्य:

- **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020** के अनुरूप **समावेशी वयस्क शिक्षा** को बढ़ावा देना
- **15 वर्ष और उससे अधिक आयु** के अशिक्षित व्यक्तियों को साक्षर बनाना
- **कार्यात्मक साक्षरता**, **डिजिटल कौशल**, और **रोजगारोन्मुखी शिक्षा** को बढ़ावा देना

निष्कर्ष:

- **मिज़ोरम साक्षरता की दिशा में अग्रणी उदाहरण** बनकर उभरे हैं।
- जबकि **आंध्र प्रदेश** और **बिहार** को **साक्षरता सुधार के लिए ठोस प्रयासों** की आवश्यकता है।

शिरुई लिली महोत्सव / Shirui Lily Festival

संदर्भ:

मणिपुर राज्य में लंबे समय से चले आ रहे **सांप्रदायिक संघर्ष** के कारण दो वर्षों के अंतराल के बाद, **शिरुई लिली महोत्सव** एक बार फिर **उखरुल जिले के शिरुई गांव** में प्रारंभ हुआ। यह महोत्सव राज्य की सांस्कृतिक विरासत और शिरुई की दुर्लभ लिली प्रजाति को समर्पित एक महत्वपूर्ण उत्सव माना जाता है।

शिरुई लिली महोत्सव:

महोत्सव का परिचय:

- शिरुई लिली महोत्सव मणिपुर सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित एक वार्षिक राज्य स्तरीय सांस्कृतिक महोत्सव है।
- प्रारंभ में यह महोत्सव शिरुई गाँव के स्थानीय लोगों द्वारा राज्य के पुष्प शिरुई लिली को श्रद्धांजलि देने के लिए मनाया जाता था।
- वर्ष 2017 से इसे राज्य महोत्सव के रूप में घोषित किया गया।

उद्देश्य और महत्व:

- यह एक **इको-टूरिज्म (eco-tourism) उत्सव** है जिसका उद्देश्य:
  - **शिरुई लिली** के संरक्षण के प्रति **जागरूकता बढ़ाना**
  - **उखरुल की पहाड़ियों** में **पर्यटन को प्रोत्साहित करना**

प्रमुख गतिविधियाँ:

- पारंपरिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ
- संगीत कार्यक्रम
- सौंदर्य प्रतियोगिता
- **कचरा संग्रहण मैराथन** (Trash Collection Marathon)
- स्थानीय व्यंजनों और हस्तशिल्प का प्रदर्शन

शिरुई लिली (Shirui Lily):

- यह एक **दुर्लभ स्थानिक प्रजाति (rare endemic species)** है, जो केवल मणिपुर की **शिरुई पहाड़ियों** की ऊँचाईयों पर पाई जाती है।
- **IUCN स्थिति:** संकटग्रस्त (Endangered)
- **मुख्य खतरे:**
  - जलवायु परिवर्तन
  - मानवीय अतिक्रमण व प्राकृतिक संसाधनों का दोहन
  - **जंगली बौने बांस (dwarf bamboo)** की जड़ों द्वारा प्राकृतिक आवास पर आक्रमण

निष्कर्ष: शिरुई लिली महोत्सव केवल एक सांस्कृतिक उत्सव नहीं है, बल्कि यह **पर्यावरणीय संरक्षण**, **स्थानीय संस्कृति के प्रचार** और **स्थायी पर्यटन** के समन्वय का एक प्रेरणादायक उदाहरण है।

वैश्विक पर्यावरण सुविधा / Global Environment Facility

संदर्भ:

एक नई **अध्ययन रिपोर्ट** में खुलासा हुआ है कि **जैव विविधता संरक्षण के लिए मिले फंड**, विशेष रूप से **ग्लोबल एनवायरनमेंट फैसिलिटी (GEF)** से प्राप्त सहायता, **आदिवासी और स्थानीय समुदायों (IPLC)** तक प्रभावी रूप से नहीं पहुंच पा रही है। ये समुदाय प्रकृति संरक्षण के प्रमुख संरक्षक माने जाते हैं, लेकिन वित्तीय सहायता से वंचित रह जाने के कारण उनके प्रयासों को अपेक्षित समर्थन नहीं मिल पा रहा है।

Global Environment Facility (GEF):

स्थापना: GEF की स्थापना **1992** में **रियो अर्थ समिट** के दौरान हुई, जो वैश्विक पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

संचालन: GEF की मुख्य संचालन संस्था है **GEF काउंसिल**, जो वित्त पोषित कार्यक्रमों के लिए नीतियाँ बनाती, अपनाती और उनका मूल्यांकन करती है।

प्रमुख कार्य:

GEF पाँच महत्वपूर्ण पर्यावरणीय कन्वेंशनों के लिए **वित्तीय तंत्र** के रूप में कार्य करता है:

- जैव विविधता कन्वेंशन (Convention on Biological Diversity - CBD)
- जलवायु परिवर्तन के लिए संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (UNFCCC)
- स्टॉकहोम कन्वेंशन ऑन पर्सिस्टेंट ऑर्गेनिक पोल्यूटेंट्स (Stockholm Convention on POPs)
- रेगिस्तानकरण से लड़ने के लिए संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन (UNCCD)
- मिनामाटा कन्वेंशन ऑन मरकरी (Minamata Convention on Mercury)

GEF ट्रस्टी: विश्व बैंक (World Bank) GEF ट्रस्टी है, जो GEF ट्रस्ट फंड का प्रबंधन, संसाधन जुटाना, निधि वितरण और वित्तीय रिपोर्ट तैयार करता है।

सदस्य देश: GEF के सदस्य देशों की संख्या **186** है, जिसमें भारत भी शामिल है, जो इसके वैश्विक प्रभाव और सहयोग को दर्शाता है।

INSV कौंडिन्य / INSV Koundinya

संदर्भ:

भारतीय नौसेना ने **INSV कौंडिन्य** को अपने बेड़े में शामिल किया है, जो एक **पुनर्निर्मित 5वीं शताब्दी का सिला हुआ जहाज** है। इस जहाज का निर्माण **अजन्ता गुफाओं की चित्रकला** में दर्शाए गए प्राचीन समुद्री जहाजों के आधार पर किया गया है। यह पहल भारत की समृद्ध **समुद्री विरासत** को पुनर्जीवित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

INSV कौंडिन्य:

परिचय:

- INSV कौंडिन्य परियोजना जुलाई 2023 में शुरू हुई थी।
- यह एक त्रिपक्षीय पहल है जिसमें भागीदार हैं:
  - संस्कृति मंत्रालय
  - भारतीय नौसेना
  - Hodi Innovations
- इसका उद्देश्य है भारत की प्राचीन जहाज निर्माण परंपरा और समुद्री धरोहर के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना।

आगामी यात्रा: INSV कौंडिन्य को 2025 में गुजरात से ओमान तक भारत के प्राचीन समुद्री व्यापार मार्ग पर रवाना किया जाएगा।

पारंपरिक जहाज निर्माण तकनीक:

- जहाज का निर्माण प्राचीन **"स्टिच्ड शिप" तकनीक** से हुआ है:
  - लकड़ी की पट्टियों को नारियल की रस्सियों, नारियल रेशों और प्राकृतिक रेज़िन से जोड़ा गया।
  - **किसी प्रकार की धातु की कील** का उपयोग नहीं हुआ।
- डिज़ाइन की प्रेरणा **अजन्ता की भित्ति चित्रों** में दर्शाए गए **5वीं सदी के समुद्री दृश्य** से ली गई।
- चूँकि कोई **मूल ब्लूप्रिंट उपलब्ध नहीं** था, डिज़ाइन के लिए:
  - 2D चित्रों का पुरातात्विक, नौसैनिक वास्तुकला और जलगतिकी विश्लेषण से अध्ययन किया गया।

सांस्कृतिक प्रतीक और शिल्प:

- **पालों पर आकृतियाँ:**
  - गण्डभेरुंड (दो सिर वाला पौराणिक पक्षी)
  - सूर्य का प्रतीक – शक्ति और ऊर्जा का प्रतीक
- **धनुष (Bow) पर: सिंह याली** की आकृति – दक्षिण भारत की पारंपरिक समुद्री कला का प्रतीक
- **डेक पर: हड़प्पा-शैली का पत्थर लंगर** – सिंधु घाटी की समुद्री विरासत से जुड़ाव

अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार / Booker Prize

संदर्भ:

भारतीय लेखिका, वकील और सामाजिक कार्यकर्ता **बानू मुश्ताक** ने इतिहास रचते हुए **इंटरनेशनल बुकर पुरस्कार** जीतने वाली पहली **कन्नड़ भाषा की लेखिका** बन गई हैं।

अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार:

उद्देश्य और स्वरूप:

- यह पुरस्कार हर वर्ष **सर्वश्रेष्ठ दीर्घ कथा (long-form fiction)** या **लघु कथाओं के संग्रह** को दिया जाता है,
- बशर्ते वे **किसी अन्य भाषा** में मूलतः लिखी गई हों और उनका **अंग्रेज़ी में अनुवाद** हुआ हो।
- यह रचनाएँ **UK या आयरलैंड में प्रकाशित** होनी चाहिए।

इतिहास:

- स्थापना: **2005** में एक **द्विवार्षिक पुरस्कार** के रूप में हुई थी, जो लेखक के **वैश्विक साहित्य में योगदान** को सम्मानित करता था।
- प्रारंभ में यह जरूरी नहीं था कि पुस्तक अंग्रेज़ी के अलावा किसी अन्य भाषा में हो।
- **2015 से नियमों में बदलाव** कर इसे **वार्षिक पुरस्कार** बनाया गया, जिसमें केवल **अनुवादित कृतियों** को मान्यता दी जाती है।

पात्रता और पुरस्कार राशि:

- किसी भी **राष्ट्रीयता** का लेखक पात्र हो सकता है,
- पुरस्कार राशि: **£50,000**
- प्रत्येक **शॉर्टलिस्ट किए गए लेखक और अनुवादक** को भी **£2,500** मिलते हैं।
- **प्रशासन:** बुकर प्राइज फाउंडेशन द्वारा।

अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार 2025:

- **विजेता पुस्तक:** *Heart Lamp*
- **लेखिका: बानु मुश्ताक**
- **अनुवाद: दीपा भास्ती** द्वारा **कन्नड़ से अंग्रेज़ी में**
- **विशेषताएँ:**
  - यह पुरस्कार जीतने वाला **पहला लघु कथाओं का संग्रह** है।
  - यह **कन्नड़ भाषा में मूल रूप से लिखी गई पहली कृति** है जिसे यह पुरस्कार मिला।
  - *Heart Lamp* में **1990 से 2023** के बीच लिखी गई कहानियाँ शामिल हैं।
  - ये कहानियाँ **दक्षिण भारत में मुस्लिम महिलाओं के संघर्षों** को चित्रित करती हैं।

GS FOUNDATION *For*

UPSC & STATE PSC

- ECONOMY
- POLITY
- HISTORY
- GEOGRPHY

1500X4 ~~₹6000/-~~

₹4500/-

- DAILY LIVE CLASSES
- WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTICE PROBLEM

COURSE VALIDITY 1 YEAR

GS FOUNDATION For

UPSC & STATE PSC

IF ANYONE INTRESTED IN ONLY

HISTORY

FEE ~~₹ 2000/-~~

₹1499/-

- DAILY LIVE CLASSES
- WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTICE PROBLEM

COURSE VALIDITY **1 YEAR**

GS FOUNDATION *For*

UPSC & STATE PSC

IF ANYONE INTRESTED IN ONLY

ECONOMY

FEE ~~₹ 2000/-~~

₹1499/-

- DAILY LIVE CLASSES
- WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTICE PROBLEM

COURSE VALIDITY 1 YEAR

जानिए
भारतीय संविधान
CONSTITUTION
OF
INDIA
मात्र
1499/-Year
Enroll Now !
1 year
validity

GS FOUNDATION

Hand Written Notes

Pathshala | AI

BEST OFFER
1999Rs

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

Bilingual

By Ankit Avasthi Sir

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,

और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

MONTHLY MAGAZINE

FREE!

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

Billingual

ANKIT AVASTHI SIR

RAS FOUNDATION

HAND WRITTEN NOTES

अधिक जानकारी के लिए दिए
गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

BEST OFFER
4500 Rs

By Ankit Avasthi Sir

RRB NTPC

TEST SERIES

- 100+ Mock Test
- 78 Sectional Test
- 40+ years PYPs
- 60+ Current affairs

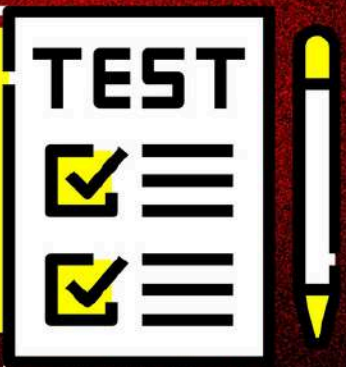

Only 99 Per Year

Buy Now

APNI PATHSHALA

UPPSC,RO/ARO,BPSC,UP TEST SERIES

UPPSC
(TEST SERIES)
- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

RO/ARO
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

BPSC
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299 YEAR

SSC (TEST SERIES)
- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

RPF (TEST SERIES)
- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

Download | Application

Apni Pathshala

7878158882

Apni.Pathshala Avasthiankit

AnkitAvasthiSir kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

CALL CENTRE

787158882

HOW MAY I HELP YOU

AnkitInspiresIndia

Download "Apni Pathshsla" app now!

Follow us: